ASSOCHAM IN THE NEWS

The Hindu Business Line Page 11 13 April, 2019

Nafed to buy 20 lakh tonnes each of pulses and oilseeds from farmers at MSP

PRESS TRUST OF INDIA

New Delhi, April 12

State-run co-operative Nafed is planning to buy 20 lakh tonnes of mustard and 15-20 lakh tonnes of pulses in the ongoing rabi harvesting season at the minimum support price (MSP), its Managing Director Sanjeev Chaddha said on Friday.

Nafed will buy pulses and oilseeds on behalf of the government to provide MSP to farmers, he said, adding that the co-operative has made arrangements of funds to carry out this procurement operations.

Pulses stock

"We will be purchasing 15-20 lakh tonnes of pulses and 20 lakh tonnes of mustard in the ongoing rabi harvesting season," Chaddha told reporters on the sidelines of a conference organised by industry body Assocham on compressed bio-gas.

He said Nafed already has a stock of 35 lakh tonnes of pulses.

Asked about disposal of the pulses stock, Chaddha said the Centre provides pulses to States at a subsidised price for distribution through the ration shops.

Compressed bio-gas

On the compressed bio-gas programme, Chaddha said Nafed and Indian Oil Corporation (IOC) are working with private entrepreneurs to set up bio-CNG manufacturing plants across the country using agri-wastes.

IOC Executive Director Subodh Kumar said about 200 letters of intent have been issued so far to set up plants, which would require an investment of ₹25-40 crore each.

He said oil marketing companies would buy compressed bio-gas from these plants for supply through their retail outlets at around ₹50 per kg.

Kumar said these projects should be treated under the priority sector lending so that the private companies get finance at cheaper rates.

Green energy company Clean Effentech (CEF) will provide technology to these proposed plants.

Nafed to procure 20LT each of pulses, oilseeds from farmers at MSP

PRESS TRUST OF INDIA
New Delhi, April 12

CO-OPERATIVE NAFED IS planning to buy 20 lakh tonne of mustard and 15-20 lakh tonne of pulses in the ongoing rabi (winter-sown) harvesting season at the minimum support price (MSP), its managing director Sanjeev Chaddha said on Friday.

Nafed will buy pulses and oilseeds on behalf of the government to provide MSP to farmers, he said, adding that the co-operative has made arrangements of funds to carry out the procurement operations.

"We will be purchasing 15-20 lakh tonne of pulses and 20 lakh tonne of mustard in the ongoing rabi harvesting season," Chaddha told reporters on the sidelines of a conference organised by industry body Assocham on compressed bio-gas.

He said Nafed already has a stock of 35 lakh tonne of pulses.

Asked about disposal of the pulses stock, Chaddha said the Centre provides pulses to states at a subsidised price for distribution through the ration shops.

On the compressed bio-gas programme, Chaddha said Nafed and Indian Oil Corporation (IOC) are working with private entrepreneurs to set up bio-CNG manufacturing plants across the country using agri-wastes.

IOC executive director Subodh Kumar said about 200 letters of intent (LOIs) have been issued so far to set up plants, which would require an investment of ₹25-40 crore each.

He said oil marketing companies would buy compressed bio-gas from these plants for supply through their retail outlets at around ₹50 per kg.

Nafed would buy pulses and oilseeds on behalf of the government to provide MSP to farmers, Nafed MD Sanjeev Chaddha said, adding that the co-operative had made arrangements of funds to carry out the procurement operations

Kumar said these projects should be treated under the priority sector lending so that the private companies get finance at cheaper rates.

Green energy company Clean Effentech (CEF) will provide technology to these proposed plants.

"We expect that many plants will become operational by the end of this year in Uttar Pradesh, Haryana and Punjab," CEF group director (business development) Maninder Singh said, adding that the government is targeting 5,000 such plants by 2023.

Rashtriya Sahara Page 9 13 April, 2019

एमएसपी पर 20 लाख टन सरसों खरीदेगा नेफेड

▶ किसानों को उचित कीमत मुहैया कराने के लिए सहकारी संस्था ने उठाया कदम

योजना

- चालू रबी सत्र में 20 लाख टन दलहन भी खरीदने की है योजना
- इस खरीद कार्य के लिए कर ली गई है धन की व्यवस्था
- नेफेड के पास पहले से ही 35 लाख टन दालों का है भंडार
- राज्यों के लिए राशन के जरिए सस्ती दरों पर दाल मुहैया कराता है केंद्र

■ नई दिल्ली (भाषा)।

सहकारी संस्था नेफेड के प्रबंध निदेशक संजीव चड्ढा ने शुक्रवार को कहा कि नेफेड चालू रबी कटाई सत्र में किसानों से 20 लाख टन सरसों और 15-20 लाख टन दलहन खरीदेगा। यह खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के आधार पर की जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसानों को एमएसपी दिलाने के लिए सरकार की ओर से नाफेड, दलहनों और

तिलहनों को खरीदेगा। सहकारी समितियों ने इस खरीद कार्य को अंजाम देने के लिए धन की व्यवस्था की है। चड्ढा ने उद्योग निकाय एसोचैम द्वारा संपीडित जैविक-गैस पर आयोजित एक सम्मेलन के मौके पर कहा, 'हम चालू रबी फसल कटाई के मौसम में 15-20 लाख टन दलहन और 20 लाख टन सरसों की खरीद करेंगे।'

उन्होंने कहा कि नेफेड के पास पहले से ही 35 लाख टन दालों का भंडार है। दालों के स्टॉक के निपटान के बारे में पूछे जाने पर, चड्ढा ने कहा कि केंद्र राशन की दुकानों के माध्यम से वितरण के लिए रियायती मूल्य पर राज्यों को दाल उपलब्ध कराता है। संपीडित जैव-गैस कार्यक्रम पर चड्ढा ने कहा कि नाफेड और आईओसी निजी उद्यमियों के साथ मिलकर देश भर में जैव-सीएनजी विनिर्माण संयंत्रों की स्थापना कर रहे हैं।

Punjab Kesari Page 13 13 April, 2019

नाफेड एमएसपी पर खरीदेगा 20-20 लाख टन दलहन, तिलहन

नई दिल्ली, (भाषा): सहकारी संस्था नाफेड के प्रबंध निदेशक संजीव चड्ढा ने शुक्रवार को कहा कि नाफेड की चालू रबी (जाड़े में बोयी गयी फसल) कटाई सत्र में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 20 लाख टन सरसों और 15-20 लाख टन दलहन खरीदने की योजना है। उन्होंने कहा कि किसानों को एमएसपी दिलाने के लिए सरकार की ओर से नाफेड, दलहनों और तिलहनों को खरीदेगा। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों ने इस खरीद कार्यों को अंजाम देने के लिए धन की व्यवस्था की है। चड्ढा ने उद्योग निकाय एसोचैम द्वारा संपीडित जैविक-गैस पर आयोजित एक सम्मेलन के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि हम चालू रबी फसल कटाई के मौसम में 15-20 लाख टन दलहन और 20 लाख टन सरसों की खरीद करेंगे। उन्होंने कहा कि नैफेड के पास पहले से ही 35 लाख टन दालों का भंडार है दालों के स्टॉक के निपटान के बारे में पूछे जाने पर, चड्ढा ने कहा कि केंद्र राशन की दुकानों के माध्यम से वितरण के लिए रियायती मूल्य पर राज्यों को दाल उपलब्ध कराता है। संपीडित जैव-गैस कार्यक्रम पर चड्ढा ने कहा कि नाफेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) निजी उद्यमियों के साथ मिलकर देश भर में जैव-सीएनजी विनिर्माण संयंत्रों की स्थापना कर रहे हैं।

नाफेड एमएसपी पर खरीदेगा 20-20 लाख टन दलहन, तिलहन

नई दिल्ली, (भाषा)। सहकारी संस्था नाफेड के प्रबंध निदेशक संजीव चड्ढा ने शुक्रवार को कहा कि नाफेड की चालू रबी जाड़े में बोयी गयी फसला कटाई सत्र में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी पर 20 लाख टन सरसो और 15-20 लाख टन दलहन खरीदने की योजना है। उन्होंने कहा कि किसानों को एमएसपी दिलाने के लिए सरकार की ओर से नाफेड, दलहनों और तिलहनों को खरीदेगा। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों ने इस खरीद कार्यों को अंजाम देने के लिए धन की व्यवस्था की है।

चड्ढा ने उद्योग निकाय एसोचैम द्वारा संपीडित जैविक-गैस पर आयोजित एक सम्मेलन के मौके पर संवाददाताओं से कहा, हम चालू रबी फसल कटाई के मौसम में 15-20 लाख टन दलहन और 20 लाख टन सरसों की खरीद करेंगे। उन्होंने कहा कि नैफेड के पास पहले से ही 35 लाख टन दालों का भंडार है। दालों के स्टॉक के निपटान के बारे में पूछे जाने पर, चड्ढा ने कहा कि केंद्र राशन की दुकानों के माध्यम से वितरण के लिए रियायती मूल्य पर राज्यों को दाल उपलब्ध कराता है। संपीडित जैव-गैस कार्यक्रम पर चड्ढा ने कहा कि नाफेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) निजी उद्यमियों के साथ मिलकर देश भर में जैव-सीएनजी विनिर्माण संयंत्र की स्थापना कर रहे हैं। आईओसी के कार्यकारी निदेशक सुबोध कुमार ने कहा कि संयंत्र स्थापित करने के लिए अब तक लगभग 200 पत्र आशय पत्र एलओआई जारी किए जा चुके हैं, जिसमें प्रत्येक में 25-40 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि तेल विपणन कंपनियां अपने खुदरा दुकानों के माध्यम से आपूर्ति के लिए इन संयंत्रों से लगभग 50 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से संपीडित बायो-गैस खरीदेगी। कुमार ने कहा कि इन परियोजनाओं को प्राथमिकता वाले क्षेत्र के तहत ऋण दिया जाना चाहिए ताकि निजी कंपनियों को सस्ती दरों पर धन मिले।

हरित ऊर्जा कंपनी क्लीन एर्फटेक (सीईएफ) इन प्रस्तावित संयंत्रों को प्रौद्योगिकी प्रदान करेगी। सीईएफ के समूह निदेशक (व्यवसाय विकास) मनिंदर सिंह ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि इस साल के अंत तक उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब में कई संयंत्र चालू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार वर्ष 2023 तक 5,000 ऐसे संयंत्रों को लगाने का लक्ष्य कर रही है।

Hindustan Page 13 13 April, 2019

20 लाख टन दाल की खरीद होगी

नई दिल्ली। सहकारी संस्था नाफेड के प्रबंध निदेशक संजीव चड्ढा ने शुक्रवार को कहा कि नाफेड की रबी की कटाई सत्र में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 20 लाख टन सरसों 15-20 लाख टन दलहन खरीदेगी।

उन्होंने कहा कि किसानों को एमएसपी दिलाने के लिए सरकार की ओर से नाफेड, दलहनों और तिलहनों को खरीदेगा। सहकारी समितियों ने इस खरीद कार्यों को अंजाम देने के लिए धन की व्यवस्था की है।नाफेड के पास पहले से ही 35 लाख टन दालों का भंडार है। केंद्र राशन की दुकानों के माध्यम से वितरण के लिए रियायती मूल्य पर राज्यों को दाल उपलब्ध कराता है।